स्वतन्त्रता–दिवस अमर रहे !

नवांकुर विद्यापीठ

मसिक समाचार पत्र

नवांकुर

अंक–40 अगस्त 2009

प्रति,

_____

_____

_____

_____

प्रकाशक - नवांकुर प्रकाशन , गंजबासौदा , दूरभाष - 221066 , 220769

साइना ने जीता इण्डोनेशिया ओपन

देश की नम्बर एक महिला बैडमिण्टन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने मशहूर इण्डोनेशिया ओपन का खिताब 12–21, 21–18, 21–9 से हरा कर जीत लिया । साइना का यह पहला सुपर–सीरिज खिताब है।

भारतीय मूल की सुप्रिया को अमेरिका में अवार्ड–

दृष्टि बाधित बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में किये उत्कृष्ट कार्यों पर अमेरिका की संस्था हेडली स्कूल ऑफ ब्लाइण्ड्स ने वर्ष 2009 के लिए राबर्ट बिन्न फैमिली ऐजूकेशन अवार्ड के लिए भारतीय मूल की सुप्रिया देसाई को चुना है। कोलोरेडो स्टेट में सन् 1920 के बाद पहली बार किसी महिला को यह अवार्ड दिया जा रहा है।

महामहिम ने शपथ ग्रहण की –

मध्यप्रदेश के 18 वे राज्यपाल रामेश्वर ठाकुर को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.के. पटनायक ने राजभवन में एक गरिमामय समारोह में पद की शपथ दिलायी। श्री ठाकुर ने हिन्दी में शपथ ग्रहण की

जस्टिस नावलेकर म.प्र. के नये लोकायुक्त –

जस्टिस नावलेकर राज्य के नये लोकायुक्त होंगे। गौरतलब है कि जस्टिस नावलेकर म.प्र. के हीं हैं ओर जबलपुर हाईकोर्ट के अलावा सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके हैं ।

इन्दौर की एक सड़क लता के नाम –

स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के नाम से इन्दौर की उस सड़क का नामकरण किया जा रहा है, जहाँ उनका घर था और जन्म हुआ था। यह सिख मोहल्ला में है। इन्दौर पहला शहर हैं जहाँ लता जी के नाम किसी मार्ग का नाम रखा गया है।

प्रेमजी को ग्लोबल विजन अवार्ड –

विप्रो के चेयरमेन अजीम प्रेमजी को व्यवसायिक भागीदारी के जरिये भारत–अमेरिका सम्बन्ध मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अमेरिका–भारत व्यापार परिषद के ग्लोबल–विजन अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

सानिया की खिताबी जीत

भारत की टेनिस सनसनी सानियॉ मिर्जा ने फ्रांस की शीर्ष वरीय जूली कोइन को संघर्ष पूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7–6, 6–4 से हरा कार अमेरिका के लेक्सिंगटन में चल रहे 50 हजार डालर इनामी आईटीएफ चेलेन्जर टेनिस प्रतियोगिता का फायनल खिताब जीता।–

संकलनकर्ता

सुनील भावसार

उ.श्रे. शिक्षक

भारत स्वाभिमान

एक आध्यात्मिक एवं सामाजिक आन्दोलन

यदि आपमें स्वदेश का थोड़ा से भी स्वीभिमान है और आपको अपने राष्ट्रीय दयित्वो व कर्त्तव्यों का अहसास है,यदि आपमें देश के प्रति कृतज्ञता का भाव है, तो हम उन तमाम देशभक्त संवेदनशील, सजग जागरुक व कर्त्तव्यनिष्ठ भारतीयों से आह्वान करते हैं कि यदि राष्ट्र हित में उठायें गये य प्रश्न आपको उचित लगते है तो आप भी इस आन्दोलन में सक्रिय रूप से सहभागी बनिये और इन भ्रष्ट नीतियों, कनूनों एवं व्यवस्थाओं को उखाड़ फेंकने व देथ को बचाने के लिए आगे आइए और एक6 सच्चे भारतीय होने का फर्ज निभाइये ओर देश की व्यस्थाएँ चलाने वाले से राष्ट्रहित में ये प्रश्न पूछिये और जब तक समाधान नहीं हो जाता तब तक संघर्ष कीजिए, उक दिन विजय अवश्य मिलेगी और भारत की तकदीर व तस्वीर बदलेगी।

प्रश्न.1(क) जब हम 90 से 99% बीमारियों को भारतीय योग व आयुर्वेद आदि भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से ठीक कर सकते हैं तो फिर विदेशी चिकित्सा पद्धतियों की गुलामी को राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार्यता क्यों ?

(ख) जब स्वदेशी चिकित्सा पद्धति से बी.पी. व थाइराइड आदि 99% बीमारियों का ठीक (क्योर) किया जा सकता है तो अंग्रेजी दवाओं से बीमारियों को नियंत्रित (कन्ट्रोल) करने के नाम पर प्रतिवर्ष 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लूट क्यों और स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों का सरकारी स्तर पर तिरस्कार, अपमान, उदासीनता व उपेक्षा क्यों ?

प्रश्न.2 (क) जब योग शिक्षा से देश के बच्चों एवं युवाओं को संयमी, सदाचारी, बलवान, बुद्धिमान, चरित्रवान, पितृभक्त एवं राष्ट्रभक्त बनाकर नशा, वासना, हिंसा व अपराध से बचाया जा सकता है तो फिर यौन शिक्षा की वकालत क्यों ?

(ख) जब हम अपने देश के बच्चों को राष्ट्रभाषा हिन्दी व अन्य प्रदेशिक भारतीय भाषाओं – गुजराती, मराठी, बंगाला, पंजाबी, उड़ीया, असमिया, तमिल, तेलगू, कन्नड आदि मे शिक्षा देकर डॉक्टर इन्जीनियर, आई.ए.एस., आई.पी.एस. वैज्ञनिक आदि बना सकते हैं तो फिर विदेशी भाषा षड़यन्त्रकारी मैकाले की शिक्षा व्यवस्था की गुलामी क्यों ? और अपने देश की भाषाओं का अपमान क्यों ?

प्रश्न.3 (क) जब स्वदेशी अर्थव्यवस्था से देश का प्रतिवर्ष 20 से 30 लाख करोड़ रुपये बचाकर भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाया जा सकता है, तो फिर वैश्वीकरण व औद्योगिकरण की गलत नीतियों से देश का आर्थिक शोषण व दोहन क्यों ? स्वदेशी अर्थव्यवस्था को नष्ट कर देश को गरीब, भिखमंगा, कंगाल बनाने का व लूटने का यह षड़यन्त्र क्या बन्द नहीं होना चाहिए ?

प्रश्न 4 (क) जो 34,735 कानून अंग्रेजो ने अपने शासनकाल में हमें लूटने, हमेशा के लिए गुलाम बनाने तथा हम पर अत्याचार व शोषण करने के लिए बनाये थे, आजादी के बाद भी उन्हीं कानूनों को लागू करके, हम संविधान के अनुच्छेद 372(क) के अनुसार राष्ट्रहिम में कानून व्यवस्थाओं में परिवर्तन क्यों नहीं ?

(ख) जब अनिवार्य मतदान का कानून बनाकर देश के लोकतन्त्र का बचाया जा सकता है और वह लोकतन्त्र के नाम पर चल रहे भ्रष्टाचार व षडयनत्र को पूर्णतः समाप्त किया जा सकता है, तो फिर अनिवार्य मतदान का कानून क्यों नहीं बनाते ?

(ग) यदि शराब व तम्बाकू बेचने वाली कम्पनियों पर नशा करके बीमार हुए लोगों के उपचार का खर्चा वसूलनें का कानून बनाकर उन पर अंकुश लगाया जा सकता है । तो .....क्रमशः

–पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार

''लेखनी कुछ लिख दे ऐसा,
जो अन्तर में आग लगा दे ।
कुछ करने को या मरने को
सोया हुआ समाज जगा दे ।

इसी उम्मीद से कि लेखनी की धार से समाज सुधरेंगे, हम लिखते हैं । हमारे लिखने से आप जाग जायें क्योंकि आप जागे तो समाज जागेगा। आज हमारे समाज में 'चिन्ता' शब्द ने जैसे अपना घर ही बना लिया है। कितनी विडम्बना है कि यह जानते हुए भी कि 'चिन्ता' चिता के समान है, हम निरन्तर इसका प्रयोग करते हैं और 'चिन्ता' करते है। 'चिन्ता' और चिता दोनों ही एक–दूसरे की पूरक हैं । हम छोटी–छोटी बातों पर भी 'चिन्ता' करने बैठ जाते हैं। 'चिन्ता' से हमारा मन नकारात्मक हो जाता है और वह सकारात्मक सोचना ही बन्द कर देता है। जरा आप भी विचार कीजिए कि आप बिना 'चिन्ता' के एक पल भी रहते है। । 'चिन्ता' को हमने अपना स्वाभाविक गुण बना लिया है। यह वाक्य तो हम सुनते ही हैं – बेटा तुम्हें पढ़ाई की चिन्ता नहीं हैं । या ''मेरे बेटे को घर की चिन्ता नहीं हैं । ये वाक्य हमारे बड़े हमसे कहते हैं । है न आश्चर्य वाली बात कि 'चिन्ता' को याद करे बिना तो हम रह ही नहीं सकते । 'चिन्ता' को अपने मन से निकालकर ही हम सफल हो सकते हैं । मैं तो कहता हूँ कि शब्दकोषसे 'चिन्ता' शब्द को ही हटा देना चाहिए। 'चिन्ता' हमारे पतन का भी प्रतीक है । अब आप सोच रहे होंगे कि मैं 'चिन्ता' को लेकर क्यों बैठ गया । क्यों न बैठूँ , यह है ही ऐसा विषय । आप भी वर्ष भर पढ़ाई की 'चिन्ता' में रहते हैं । आपको पढ़ाई 'चिन्ता' समझकर नहीं, बल्कि अपना कर्तव्य समझकर करनी चाहिए। जीवन में उतार–चढ़ाव तो आते ही हैं। इसके लिए किसी कवि की ये पंक्तियाँ विचारणीय है

''हर दियो जियो, जियाले, जैसा जीवन अपना पाओ,
जब मूसल हो मारो , जब ओखल हो चोटें खाओ ।

दीजिये। यदि आप सच्ची सफलता जानना चाहते हैं तो डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की आत्मकथा ''अग्नि की उड़ान'' पढें । तब आप जान पायेंगे कि सफलता कैसे मिलती है । देखा जाए कि तो आत्मसमर्पण और त्याग भी सफलता का रास्ता है, जिसके पूरक हैं, हमारे 'मिसाइल मेन' उनका जीवन ही सफलता का पर्याय मालूम होता है । साधारण से असाधारण तक का सफर सफलता के सारे मन्त्र सिखा देता है। यदि आपके मन में कोई 'इच्छा' है तो वह अवश्य पूरी होगी। 'इच्छा' जो आपके हृदय और अन्तरात्मा से उत्पन्न होती हो, जो शुद्ध मन से की गई हो एक विस्मित कर देने वाली विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा लिए होती है । यही ऊर्जा हर रात को जब मस्तिष्क सुषुप्त अवस्था में होता है, आकाश में चली जाती है । हर सुबह यह ऊर्जा ब्रहमाण्डीय चेतना के लिए वापस शरीर में प्रवेश करती है , जिसकी परिकल्पना की गयी है, वह निश्चित रूप से प्रकट होता नजर आयेगा। बस आवश्यकता है तो केवल सही उद्देश्य को पहचानने की । यदि आप कभी असफल हो जायें तो ये पंक्तियाँ आपकी सारी मुश्किले मिटा देंगी –

क्यों है चिन्तित, सहमा, डरा, उदास सा पुरुष ,
अभी कहाँ आया है अवसर, अभी कहाँ खोया है कुछ भी।

तो अब आप 'चिन्ता' को छोड़ रहें हैं न , जरा 'चिन्ता' मुक्त जीवन भी तो जीने का प्रयत्न करें और आखिर में, आप सभी को स्वतन्त्रता दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ ।

आज हमारा देश निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है , लेकिन इस प्रगति को देखकर मेरे हृदय से ये चार पंक्तियाँ ही निकलती हैं –

हे कृष्ण! आपके देश में , एक ओर है प्रगति का जश्न ,
और इसकी दूसरी ओर है, संस्कृति का पतन,
देख , देश के हाल को ,
भारत माँ पुकारती , कहाँ है मेरा स्वतन्त्र वतन ।''

–मनीष दुबे
(छात्र–सम्पादक) कक्षा–12 गणित

त्रैमासिक परीक्षा–2009
प्राथमिक विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा–1	कक्षा–2	कक्षा–3	कक्षा–4	कक्षा–5
24-08-09	सोमवार	.....	.....	.....	गणित	गणित
25-08-09	मंगलवार	हिन्दी	हिन्दी	गणित	.....	.....
26-08-09	बुधवार	....	....	.....	हिन्दी	हिन्दी
27-08-09	गुरुवार	गणित	गणित	हिन्दी	.....	.....
28-08-09	शुक्रवार	....	....	.....	पर्यावरण	पर्यावरण
31-08-09	सोमवार	पर्यावरण	पर्यावरण	पर्यावरण	.....	.....
01-09-09	मंगलवार	.....	.....	.....	अंग्रेजी	अंग्रेजी
02-09-09	बुधवार	अंग्रेजी+ सा.ज्ञान	अंग्रेजी+ सा.ज्ञान	अंग्रेजी+ सा.ज्ञान	.....	.....
03-09-09	गुरुवार	.....	.....	.....	संस्कृत	संस्कृत
04-09-09	शुक्रवार	संस्कृत +चित्रकला	संस्कृत +चित्रकला	संस्कृत +चित्रकला	.....	.....
05-09-09	शनिवार	.....	.....	.....	सा.ज्ञान +चित्रकला	सा.ज्ञान +चित्रकला

परीक्षा का समय – 12:30 से 3:00 तक

त्रैमासिक परीक्षा–2009
मध्यमिक विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा–6	कक्षा – 7	कक्षा–8
24-08-09	सोमवार	हिन्दी	हिन्दी	गणित
25-08-09	मंगलवार	गणित	गणित	हिन्दी
26-08-09	बुधवार	विज्ञान	विज्ञान	सामा. विज्ञान
27-08-09	गुरुवार	सामा. विज्ञान	सामा. विज्ञान	अंग्रेजी
28-08-09	शुक्रवार	अंग्रेजी	अंग्रेजी	विज्ञान
29-08-09	शनिवार	संस्कृत	संस्कृत	संस्कृत

समय कक्षा–6 दोपहर 12:30 से 3:30
समय कक्षा– 7 एवं 8 प्रातः 8:00 से 11:00 तक

त्रैमासिक परीक्षा कार्यक्रम– 2009
हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा 9th	कक्षा 10th	कक्षा 11th	कक्षा 12th
24-08-09	सोमवार	हिन्दी	सा.विज्ञान	अंग्रेजी	रसायन प्रायोगिक
25-08-09	मंगलवार	अंग्रेजी	---	हिन्दी	गणित / जीव विज्ञान / बहीखाता
26-08-09	बुधवार	प्रायोगिक	अंग्रेजी	गणित / व्य.अध्ययन /जीवविज्ञान	रसायन शास्त्र / व्यवसाय अध्ययन
27-08-09	गुरुवार	संस्कृत	गणित	रसायन प्रायोगिक	हिन्दी
28-08-09	शुक्रवार	विज्ञान	हिन्दी	रसायन शास्त्र / बहीखाता	जीव विज्ञान प्रायोगिक
29-08-09	शनिवार	सा.विज्ञान	विज्ञान	भौतिकी प्रायोगिक	भौतिक / व्य.अर्थशास्त्र
31-08-09	सोमवार	गणित	प्रायोगिक	भौतिकी / व्य. अर्थशास्त्र	अंग्रेजी
01-09-09	मंगलवार	---	संस्कृत	---	भौतिकी प्रायोगिक

- समय– 8:00 से 11:00 बजे तक
- प्रायोगिक परीक्षा का समय 11:30 से होगा।

निर्देश :

- परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व सभी विद्यार्थियों की शुल्क की द्वितीय किश्त का जमा होना अनिवार्य है।
- माध्यमिक शिक्षा मण्डल के निर्देथानुसार कक्षा 9 एवं 11 के वार्षिक परीक्षाफल में त्रैमासिक व अर्द्धवार्षिक परीक्षा के अंको को जोड़कर परीक्षाफल व ग्रेड घोषित किया जायेगा।
- आवश्यकतानुसार समय – सारणी में परिर्वन सम्भव है।

माह अगस्त मे जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को जन्मदिन की हार्दिक – शुभकामनाएँ एवं नवांकुर परिवार का शुभाशीष !

अर्द्धवार्षिक परीक्षा –2009
प्राथमिक विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा–शिशु (क,ख)	कक्षा–1,2	कक्षा–3	कक्षा–4	कक्षा–5
23-11-09	सोमवार	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी	---	---
24-11-09	मंगलवार	---	---	---	हिन्दी	हिन्दी
25-11-09	बुधवार	गणित	गणित	गणित	---	---
26-11-09	गुरुवार	---	---	---	गणित	गणित
27-11-09	शुक्रवार	पर्यावरण	पर्यावरण	पर्यावरण	---	---
30-11-09	सोमवार	---	---	---	अंग्रेजी	अंग्रेजी
01-12-09	मंगलवार	अंग्रेजी	अंग्रेजी	अंग्रेजी	---	---
02-12-09	बुधवार	---	---	---	पर्यावरण	पर्यावरण
03-12-09	गुरुवार	संस्कृत	संस्कृत	संस्कृत	---	---
04-12-09	शुक्रवार	---	---	---	संस्कृत	संस्कृत
05-12-09	शनिवार	---	सा.ज्ञान + चित्रकला	सा.ज्ञान + चित्रकला	---	---
07-12-09	सोमवार	---	---	---	सा.ज्ञान + चित्रकला	सा.ज्ञान + चित्रकला

समय – 12:30 से 3:00 तक

अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2009
माध्यमिक विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा–6	कक्षा – 7	कक्षा–8
23-11-09	सोमवार	हिन्दी	हिन्दी	गणित
24-11-09	मंगलवार	गणित	गणित	हिन्दी
25-11-09	बुधवार	विज्ञान	विज्ञान	सा.विज्ञान
26-11-09	गुरुवार	सा.विज्ञान	सा.विज्ञान	अंग्रेजी
27-11-09	शुक्रवार	अंग्रेजी	अंग्रेजी	विज्ञान
30-11-09	सोमवार	संस्कृत	संस्कृत	संस्कृत

समय : कक्षा – 6 दोपहर 12:30 से 3:30 तक

समय : कक्षा – 7 एवं 8 प्रातः 8:30 से 11:00 बजे तक

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2009
हाईस्कूल व हायरसेकेण्डरी विभाग

दिनांक	दिन	कक्षा 9th	कक्षा 10th	कक्षा 11th	कक्षा 12th
23-11-09	सोमवार	प्रायोगिक	---	भौतिकी प्रायोगिक	रसायन प्रायोगिक
24-11-09	मंगलवार	---	प्रायोगिक	रसायन प्रायोगिक	भौतिकी प्रायोगिक
25-11-09	बुधवार	हिन्दी	सा.विज्ञान	अंग्रेजी	---
26-11-09	गुरुवार	अंग्रेजी	---	हिन्दी	गणित/जीवविज्ञान/ बहीखाता
27-11-09	शुक्रवार	---	अंग्रेजी	गणित / व्य. अध्ययन/ जीवविज्ञान	रसायन/ व्य.अध्ययन
28-11-09	शनिवार	संस्कृत	गणित	–	हिन्दी
30-11-09	सोमवार	विज्ञान	हिन्दी	रसायन शास्त्र /बहीखाता	जीवविज्ञान प्रायोगिक
01-12-09	मंगलवार	सा.विज्ञान	विज्ञान	---	भौतिकी / व्या. अर्थशास्त्र
02-12-09	बुधवार	गणित	---	भौतिकी / व्या. अर्थशास्त्र	अंग्रेजी
03-12-09	गुरुवार	कम्प्यूटर	संस्कृत	कम्प्यूटर	---

समय– 8:00 बजे से 11:00 बजे तक

प्रायोगिक परीक्षा की समय –सारिणी का परीक्षा पूर्व श्यामपट पर अवलोकन करें।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं
स्वतन्त्रता दिवस
की सभी पाठकों को नवांकुर परिवार
की ओर से हार्दिक बधाईयाँ !

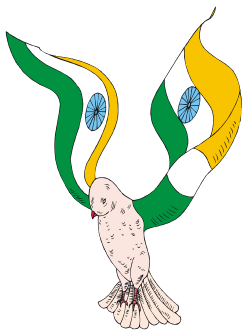

Schedule of Terminal Exams

2009-201

Date	Day	Std-I	Std-II	Std-III	Std-IV	Std-V
24/08/09	Monday	English	Ev.S.	Maths	Ev.S.	English
25/08/09	Tuesday	Ev.S.	Maths	English	Maths	Hindi
26/08/09	Wednesday	Hindi	English	Hindi	English	Maths
27/08/09	Thursday	Maths	Hindi	G.K.	Hindi	Ev.S.
28/08/09	Friday	G.K.	G.K.	Ev.S	G.K.	G.K.
29/08/09	Saturday	M.Sc. + Drawing	M.Sc. + Drawing	Com. + Drawing	Com. + Drawing	Com. + Drawing

Examination Time – 9:00 am to 11:30 am

Schedule of Half-Yearly Exams

2009-2010

Date	Day	Std-I	Std-II	Std-III	Std-IV	Std-V
23/11/09	Monday	English	Ev.S.	Maths	Ev.S.	English
25/11/09	Wednesday	Ev.S.	Maths	English	Maths	Hindi
27/11/09	Friday	Hindi	English	Hindi	English	Maths
30/11/09	Monday	Maths	Hindi	Ev.S	Hindi	Ev.S.
02/12/09	Wednesday	G.K.	G.K.	G.K.	G.K.	G.K.
03/12/09	Thursday	M.Sc. + Drawing	M.Sc. + Drawing	Com. + Drawing	Com. + Drawing	Com. + Drawing

Examination Time – 9:00 am to 11:30 am

Schedule of Terminal Exams

2009-201

Date	Day	Nursery	K.G. I	K.G.II
24/08/09	Monday	English	English	English
25/08/09	Tuesday	Hindi	Hindi	Hindi
26/08/09	Wednesday	Maths	Maths	Maths
27/08/09	Thursday	EV.S.	EV.S.	EV.S.
28/08/09	Friday	Rhymes	Drawing + Rhymes	Drawing + Rhymes
Examination Time : 9:00 am to 11:30 am				

Schedule of Half-Yearly Exams

2009-2010

Date	Day	Nursery	K.G. I	K.G.II
23/11/09	Monday	English	English	English
25/11/09	Wednesday	Hindi	Hindi	Hindi
27/11/09	Friday	Maths	Maths	Maths
30/11/09	Monday	EV.S.	EV.S.	EV.S.
01/12/09	Tuesday	Rhymes	Drawing + Rhymes	Drawing + Rhymes
Examination Time : 9:00 am to 11:30 am				

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ

Have you sometime ?

Take time to work -
It will lead you to success.
Take time to think-
It will help you to gain power
Take time to read –
It will keep you headthy.
Take time to love and beloved-
God will be with you

—Ku. Sheetal vadhwani

Easy – Difficult

How easy to live frankly,
But difficult to give the important to life,
How easy to make promise;
But difficult to fulfill it.
How easy to say I am in love;
But difficult to realize it;
How easy to criticize others;
But difficult to improve ourselves,
How easy to talk without thinking;
But difficult to be silent.
How easy to teach others;
But difficult to learn from others;

-ku. Sheetal Vadhwani
Asst. Teacher
Dolphin

Friendship

"There is a small ship and big ship but the best ship is friendship"

Friend means:-

F (Faithful) A friend is always faithful to you even doing the bad time

R (Reliable) A friend is reliable. You can count that one to always be there.

I (In touch) A friend stay's in touch even though it may not be as you a like.

E (Enduring) a true friend is enduring even when friendship loses touch.

N (Needed) a friend always there for you when you need someone.

D (Devoted) a friend is devoted to your friendship and will never do anything to destroy it.

—Ku. Aashi Jain

Teachers, " The Architects "

If we are the river,
they are the water,
If we are trees,
they are the leaves,
If we are the books,
they are the authers,
If we are a country,
they ate the great people,
If we are the sky,
they are the sum,

Asst. Teacher

"Who spread the light of knowledge"

-ku. Divyanshi Dixit
(III) (Dolphin)

नवांकुर की अभिनव पहल ..... Dolp

Comparison- not the right choice

We always compare ourself with others. At times we feel that what others have achieved is more than we have and then jealousy comes into picture .

In reality, comparison does not have a positive effect and it only exists in out mind. An object that has positive existence can be moved from one place to another. Let's take the example of darkness. Can darkness be moved from one room to anothres ?

No, because it does not have a positive existence. But by bringing light into the room, it can be made to disappear, comparison results in low self – esteem.

We need to realize each one of us is unique. God is artist and he sculpts each on of us with his own hands lovingly and uniquely. Therefore each of is different and if we understand this clearly,

There will be no space for comparisons.

We will enjoy out own uniqueness and blossom with it.

-ku. Swati Bhavsar

National flower of the countries

Lotus	India and Egypt
Rose	England And lran
Narcissus	china
Cornflower	Germany
Thistle	Scotland
Laurel	Greece
Po megranate	Spain
Tulia	Holland

—ku. Deepa Sharma
(12th, Maths)

Vinayak sharma S/o Ashish sharma
5 April 2009

"Vinayak, you left on this day but you live every moment in our heart. We feel your present all around."

Deeply,
Navankur &
Dolphin

Tribute Note

आत्मविश्वास

जीवन में सफलता प्राप्त करने की लिए स्वयं पर विश्वास होना आवश्यक है। स्वयं पर विश्वास होना ही आत्मविश्वास कहलाता है। जीवन में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास की कमी ही हमारी बहुत सी पराजयों या हार का कारण बनती जा रही है। वे व्यक्ति सबसे कमजोर हैं, जिन्हें अपने आप पर या अपनी शक्तियों पर विश्वास नहीं । सफलता प्राप्त करने के लिए मन में दृढ़ विश्वास होना जरूरी है। संसार में ऐसा कुछ नहीं है, जिसे मनुष्य नहीं कर सकता । इसलिए कवियों ने कहा है–

मन के हारे हार है,मन जीते जीत है।

–कु. मीनू रघुवंशी (कक्षा 7)

गरीबी

दुनिया वाले ने ये देखो, अपने रंग दिखाये,
जो कल तक अपने वाले थे, वो हो गये आज पराये।
हाय गरीबी तेरे कारण, ऐसा हुआ फसाना,
हम रोये हालत पर अपनी,हँसने लगा जमाना।

–सचिन मिश्रा (कक्षा 10)

पहेलियाँ

बसा हुआ जो क्षिप्रा तट पर,
जो महाकालेश्वर का घर,
कहो, कौन सा तीर्थ सुहाना,
लगता है शुभ कुम्भ जहाँ पर।
वह गंगा के तट पर स्थित है,
विश्वनाथ का पावन घर,
धर्म, ज्ञान, संस्कृति का मन्दिर,
बताओ ऐसा कौन नगर।
सरल, शान्त, शुचिता की खान,
तीर्थों में उसका सम्मान,
राम मिलन हित भरत पधारे,
कहो कौन सा वह सुन्दर स्थान

–आशुतोष दुबे (कक्षा 10)

स्वाभीमानी और अभिमानी

स्वीभिमानी जो तपता है, गलता है, जो तपकर लोहा बनता है । जो हरपल आगे बढ़ता है, गिरता है, फिर उठता है, जो हर आगे बढ़ता जाता है। जीवन की डगर पर यदि काँटे भी हों, तो फूल ही उन्हें समझता है। दुनिया में वही स्वीभिमान है, जो लक्ष्य को साधकर उसे मछली की आँख व स्वयं को अर्जुन बना लेता है।

अभिमानी ये सब मूर्खों की बाते हैं। जिन्दगी जीने का नाम है, जो जीता है, सो पाता है। आज नहीं हुआ काम, तो कल कर लेंगे, कल नहीं तो परसों, हजारों दिनो की ये जिन्दगी है, कभी तो आयेगा नरसों । बहुत हो चुका काम अब तो चलता रहेगा ये जिन्दगी का हाथठेला । आज घूमेंगे बाजार और कल जायेंगे मेला।

–आकाश मीना (कक्षा 11)

जिज्ञासा में जीत

सुकरात जी ने कहा था कि ''**ज्ञान व जिज्ञासा**'' सफलता तक पहुँचने के मूल रास्ते है। जिज्ञासा ही जीत रास्ता तय करती है। जिज्ञासा नामक अस्त्र के माध्यम से हम लक्ष्य को भेद सकते हैं। सफलता हासिल करने के लिए जिज्ञासा रूपी बीज को बोना बहुत आवश्यक है। रवीन्द्र नाथ टैगोर जी ने कहा था '' हमारा सारा ज्ञान सभी योग्यताएँ जिज्ञासा के बिना व्यर्थ है।'' उन्होंने सत्य ही कहा था कि सफलता के द्वार पर दस्तक देन के लिए जिज्ञासा संजीवनी की तरह काम करता है गुरुवाणी मे भी यही बातें कही गई हैं कि केवल पढ़ने से नहीं, जिज्ञासा के साथ पढ़ने से बात बनती है। हर सफल व्यक्ति जिज्ञासु प्रवृत्ति का होता है, क्योंकि हर छोटी , बडी चीज को जानने, समझाने और उस पर विचार करने की कोशिश ही उन्हें सफलता के मायने समझाती है। हमारी उत्सुकता और नया जानने की प्रवृत्ति ही एक न एक दिन सफलता के चरम तक पहुँचाती है।

–कु0 उमा दाँगी (कक्षा 8)

''सोच ना वरना ढूँढते रह जाओगे ''

यह हम सभी जानते हैं कि पृथ्वी अपनी अक्ष पर घूमती है, इस कारण दिन रात होते है। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर भी घूमती है, इस कारण मौसम भी बदलते हैं। प्रतिदिन सूर्य उदय होता है तथा डूबता है, लेकिन कभी आपने ये सोचा है कि सूर्य पूर्व दिशा से ही क्यों उदित होता है तथा पश्चिम दिशा में ही क्यों डूबता है ?

जवाब होगा शायद हाँ और शयाद नहीं, क्योंकि यह विचार कई लोगों के मन में आया भी होगा, लेकिन उन्होंने इसका कारण नहीं खोजा। आइये, आज इसका कारण खोजते हैं। आप सभी लोग बस या ट्रेन में बैठे होंगे। जब हम खिड़की से बाहर देखते हैं, तो ऐसा लगात है कि बस या ट्रेन में एक जगह स्थिर है, जबकि ये मार्ग में लगे पेड़–पौधे या मकान चलकर हमारे पास आ रहे हैं अर्थात् स्थिर पेड़–पौधे या मकान हमें हमारी ट्रेन या बस की चलने की दिशा के विपरीत आते हुए प्रतीत होते हैं। ऐसा ही सूर्य के साथ भी है। सूर्य अपनी जगह पर स्थिर हैं और पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर अपनी अक्ष पर घूमती है। इस प्रकार पृथ्वी पर स्थित हम सभी लोग भी पश्चिम से पूर्व में घूमते हुए सूर्य की ओर जाते हैं, तो हमें ऐसा लगता है कि हम तो स्थिर है और सूर्य विपरीत दिशा अर्थात् पूर्व से पश्चिम की ओर चलता हुआ हमारी ओर आ रहा है। देखा, खोजने से हमें कितनी सरलता से इसका कारण मिला गया। आप लोग सोच रहे होंगे, इसका तो इता आसान कारण है, यह तो हम भी जानते थे। ठीक है तो मैं आपको खोजने के लिए एक नया विषय देात हूँ। क्या आपने कभी सोचा हे कि धुँआ, गुब्बारे आदि ऊपर ही क्यों उठते हैं और फिर हवा में एक स्थान पर जाकर एक क्यों जाते हैं? जबाब अगले अंक में तब तक सोच ना वरना ढूँढते रह जाओगे।

–योगेश चतुर्वेदी

(व्याख्याता–भौतिक शास्त्र)

''क्रोध''

क्रोध एक ऐसा दुर्गुण है, जो हमें अवनति के रास्ते पर ले जाता है और शारीरिक व मानसिक शक्तियों को नष्ट करता है। यह छोटे व बड़े रूप में सभी में पाया जाता है। इस क्रोध के दो रूप हैं, अस्थायी व स्थायी। अस्थायी क्रोध तो शीघ्र शान्त हो जाता है,त्र परन्तु स्थायी क्रोध व्यक्ति के शरीर को अन्दर ही अन्दर जलाता रहता है, उसकी स्मरण–शक्ति व विवेक को नष्ट कर देता है।

क्रोध हमारे शरीर को केवल हानि ही नहीं पहुँचाता, बल्कि क्रोध करने पर हमारा चेहरा विकृत हो जाता है, आँखें लाल हो जाती हैं, मस्तिष्क का सन्तुलन बिगड़ जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। क्रोधी व्यक्ति भीरू, चिड़चिड़ा, आलसी, अकर्मण्य, अविश्वासी और सनकी हो जाता है। क्रोध पर विजय प्राप्त करने के लिए हमें दया, क्षमा, प्रेम, सहनशीलता, शान्ति, मौन, अहिंसा को अपनाते हुए मीठी वाणी बोलना चाहिए। किसी ने सही कहा है कि,

'' क्रोध बड़ा शैतान है, खाता सारा ज्ञान है।

क्रोध शान्ति का दुश्मन है, रखता घ्ज्ञर में अनबन है। क्रोध क्षमा से मिटता है, क्रोधी मानव पिटता है, क्रोध बढ़े तब चुप्प रहो, अपने में ही गुप्प रहो।''

इसलिए क्रोध से दूर रहने में ही हमारी भलाई है, क्योंकि क्रोध विवेकी को भी अविवेकी बना देता है। क्रोध पर नियन्त्रण रखकर ही हम अपने सही लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और शान्तिपूर्वक जीकर अपने जीवन को सुखी बना सकते हैं।

–कु0 भावना जैन

(व्याख्याता–भौतिक शास्त्र)

राष्ट्रीय सूर्य-महोत्सव-2009 का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी संचार परिषद (म. प्र.) विज्ञान प्रसार एवं साइंस सेण्टर (ग्वालियर) के तत्वाधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सूर्य महोत्सव-2009 का आयोजन ऑरिएण्टल ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट भोपाल में किया गया। जहाँ प्रदेश भर के लगभग 1000 विद्यार्थी एवं 350 शिक्षक एकत्रित हुए।

यह सूर्यग्रहण से सम्बन्धित अंधविश्वास एवं कट्टरता के खिलाफ जागरूकता अभियान था। आयोजन के प्रथम दिन प्रो0 यशपाल ए वं अन्य वैज्ञानिकों का अभिभाषण हुआ एवं दूसरे दिन विद्यार्थी एवं शिक्षक सूर्यग्रहण को देखने एवं उसके वैज्ञानिक पहलुओं को जानने भोपाल के नजदीक के पर्यटन स्थल भीमबैठका में एकत्रित हुए, जहाँ विद्यार्थियों ने प्रो0 यशपाल से सूर्यग्रहण से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्न पूछे। आयोजन में विद्यालय के आचार्य श्री अविनाश डोंगरे एवं कक्षा 9 के छात्र मयंक दुबे एवं कार्तिक दुबे ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि छात्रों का चयन उनके द्वारा सूर्यग्रहण पर बनाये गये प्रोजेक्ट के आधार पर किया गया । आयोजन में प्रोजेक्ट कार्य के लिए छात्रों को एवं आचार्य अविनाश डोंगरे जी को प्रमाण-पत्र एवं मैडल प्रदान किये गये । आयोजन में भाग लेने पर आचार्य जी एवं विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई ।

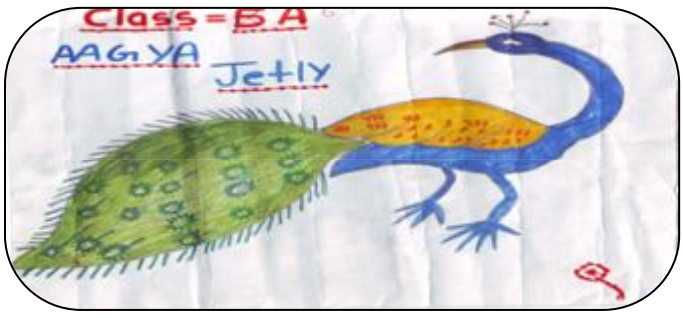

नवोदय विद्यालय में चयन

नवांकुर विद्यापीठ के कक्षा-5 के शिवम कबीर पुत्र श्री राजेश कुमार, आशीष उपाध्याय पुत्र श्री नारायण कुमार उपाध्याय एवं कु. श्वेता पंथी पुत्री श्री दयाचन्द पंथी का चयन नवोदय विद्यालय के लिए हुआ। सभी चयनित विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई ।

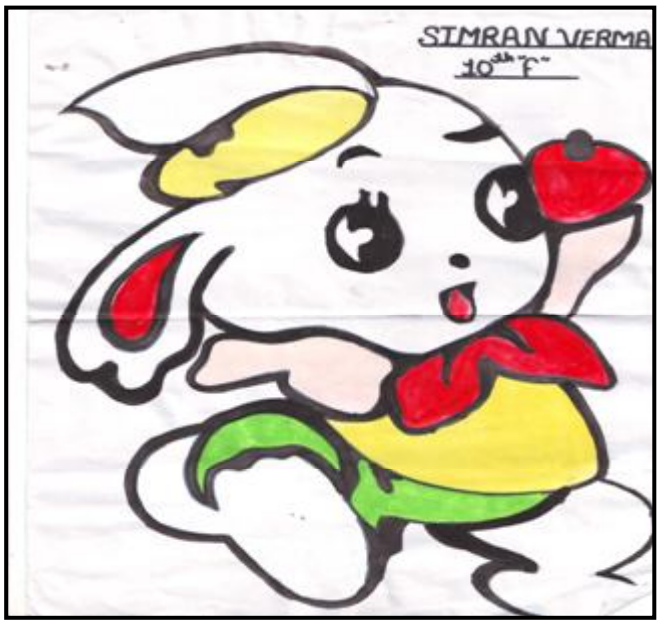

श्रद्धांजलि

विद्यालय के आचार्य **श्री राजेश भारद्वाज** की माताजी श्रीमती **शकुन्तला देवी भारद्वाज** का दुःखद निधन दिनांक 08.07.2009 को हो गया है। विद्यालय परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि।

कॅरियर (फाईन आर्ट्स)

नवांकुर ने माह नवम्बर–2008 से अपने छात्र/छात्राओं को एक नये क्षेत्र में रोजगार की सम्भावनाएँ तलाशने की शूरुआत की है वह है ''नवांकुर क्लासेस ऑफ फाइन आर्ट्स'' इसी से सम्बन्धित कुछ जानकारी हम आपको दे रहे हैं ।

फाइन आर्ट्स में असीम सम्भावनाएँ हैं, रोजगार के अवसर हैं, पैसा है, फाइन आर्ट्स यानी स्कल्पचर पेण्टिंग, एनीमेशन, ग्राफिक डिजाइन तथा इल्स्ट्रेशन । आज के साइबर युग में कलाकारों ने अपनी अलग ही पहचान बनाई है। पेण्टिंग के अलावा कमर्शियल आर्ट, विज्ञापन ऐजेंसियों पब्लिशिंग हाउस, मल्टीमीडिया, वेबपेज डिजाइनिंग, ऐनीमेशन व गेमिंग की दुनिया में कलाकारों को हाथों–हाथ लिया जा रहा है।

फाइन आर्ट्स का एक मुख्य भाग कमर्शियल आर्ट है, इस के अन्तर्गत कला संचार के विभिन्न माध्यमों का उपयोग व्यवसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है ,जैसे कि रचनात्मक विज्ञापन, बिलबोर्ड्स, किताबों के कवर पेज, विंडो डिस्प्ले, सिनेमा की स्लाइड्स, टेक्निकल केटलॉग्स, पैकेजिंग आदि । इस फील्ड में आने की इच्छा रखने वालों के लिए जरूरी है कि आप फाइन आर्ट्स की विभिन्न कलाओं में पारंगत हों, बल्कि मार्केटिंग और पब्लिसिटी की दुनिया को भी समझते हों। कुछ क्षेत्रों में कमर्शियल आर्ट का बहुत अधिक उपयोग होता है, वे हैं–

डिजाइन –

एक डिजाइनर, कलात्मकता ओर तकनीकि जानकारी को सन्तुलन में उपयोग करते हुए कलाकृति का व्यापारिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने में प्रवीण होता है। इसमें सिखाया जाता है कि किस तरह अपनी रचना में वह तकनीकि ओर व्यवसायिकता को ध्यान में रखते हुए एक बेहतरीन कलात्मक रचना का निर्माण करे ।

ग्राफिक्स –

इस फील्ड में फोटोग्राफी के साथ इलस्ट्रेशन केटरिंग, डिजाइनिंग प्रतीकों और कम्पनियों के लोगो बनानें में महारत दिलाई जाती है।

वर्कपेण्टिंग फाइन आर्ट्स के अन्तर्गत वर्क पेण्टिंग में कलाकृतियाँ, पोट्रेट्स आदि बनाना सिखाया जाता है।

ऐनिमेशन –

यदि आप क्रिएटिव माइण्ड हैं और कम्प्यूटर तकनीक के साथ तालमेल कर अपनी रचनात्मकता को सामने ला सकते हैं, तो फिर ऐनिमेशन व गेमिंग का क्षेत्र आपके लिए सबसे बेहतर ऑप्शन हो सकता है। ऐनिमेशन और गेमिंग पूरे विश्व में बड़ी तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र हैं, क्योंकि फिल्मों, कार्टून फिल्मों, विज्ञापनों, टी.वी. चैनल्स आदि में इनका अधिक से अधिक इस्तेमाल होने लगा है। ऐनिमेशन व स्पेशल इफेक्ट्स का इस्तेमाल आज फिल्मों व विज्ञापन आदि में खूब हो रहा है। ऐनिमेशन के लिए सबसे पहले स्क्रिप्ट तैयार की जाती है । स्क्रिप्ट में लिखित रूप से यह तय कर लिया जाता है कि उसमें कौन से पात्र डाले जायें तथा कौन से दृश्य निर्मित किये जायें । इसके बाद स्टोरी बोर्ड तैयार किया जाता है , जिसमें सभी सम्भावित दृश्यों के फ्रेम तैयार किये जाते हैं । इसके बाद एडोब फोटोशॉप में 2–डी या फोटो मैक्स में 3–डी चित्र तैयार करते हैं, इन सभी चित्रों पर भाषा या एक्सएसआई जैसे ऐनिमेशन साफटवेयर की मदद से गति उत्पन्न की जाती है । इसके बाद गेमिंग इंजन ऐसे साफटवेयर प्रोग्राम हैं, जिनके माध्यम से इमेज की गति को कीबोर्ड या माउस द्वारा नियन्त्रित किया जाता है।

शिक्षा –

विभिन्न संस्थानों में फाइन आर्ट्स में डिप्लोमा सर्टिफिकेट और डिग्री कोर्सेस उपलब्ध हैं । फाइन आर्ट्स के कोर्स अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट लेबल पर उपलब्ध है, जबकि डिप्लोमा कोर्सेस 4–5 साल की अवधि का है, जबकि डिप्लोमा कोर्सेस 2–3 साल के होते हैं कोर्स के दौरान आपको पेण्टिंग स्कल्पचर आर्ट और एप्लाएड आर्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

बी.एफ.ए. यानी बैचलर आफ फाइन आर्ट्स करने के बाद आप मास्टर्स कोर्स कर सकते हैं। फाइन आर्ट्स के क्षेत्र में टेक्सटाइल डिजाइनिंग जैसे उपक्षेत्रों के आने के बाद से सभी कोर्सेस और अधिक चुनौती पूर्ण बन गये हैं । इस क्षेत्र में शिक्षा के लिए प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता बारहवी है। डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए आपको चयन परीक्षा देनी होगी । जिससे परीक्षार्थी का फाइन आर्ट्स में अभिरुचि–परीक्षण किया जाता है । सामान्यतः चयन के तीन चरण होते हैं । एक आब्जेक्टिव टेस्ट में आप से विश्व–इतिहास और कला–सम्बन्धि प्रश्न पूछे जा सकते है। प्रयोगात्मक परीक्षा में आपको एक विषय दिया जायेगा, जिस पर एक रेखा–चित्र का निर्माण करना होगा । इसके अतिरिक्त लाइफ स्टडी यानी सामने रखी वस्तु का चित्रांकन करना होगा । संस्थान के नियमानुसार अगला चरण साक्षात्कार का हो सकता है।

संस्थान –

1. सर जे.जे इन्स्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट , मुम्बई यूनिवर्सिटी ऑफ बाम्बे , फोर्ट मुंबई बी. एफ.ए. –चार साल
   योग्यता – बारहवी व चयन परीक्षा
2. फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स
   एम.एस. यूनिवर्सिटी , बडौदा
   बी.एफ.ए.–चार साल
   योग्यता – बारहवी व अभिरुचि परीक्षा
3. कालेज ऑफ आर्ट्स , नई दिल्ली
   बी.एफ.ए. योग्यता– बारहवी व चयन परीक्षा

अन्य संस्थान –

1. जामिया मिलिया इस्लामिया , जामिया नगर नई दिल्ली
2. फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी , बनारस
3. लखनऊ कला महाविद्यालय , लखनऊ
4. राजस्थान आर्ट्स कॉलेज, जयपुर

शब्द–शब्द कविता

''जो था सोच में वह नहीं रहा पूरा का पूरा शब्द में , पर रहे शब्द ––पता देते उस सोच का'' । शब्द–शब्द कविता की अनोखी शाम

आज की शाम बाहर सावन की फुहारें तन को भिगो रहीं थीं तो दुष्यन्त कुमार संग्रहालय के सदन में बैठे श्रोता अन्दर शब्द महिमा में भींग रहे थे । प्रसंग था हिन्दी मराठी के वरेण्य पत्रकार स्व. र.वि. शिरढ़ोणकर की स्मृति में आयोजि स्मरण संध्या का । स्मरण संध्या का नाम भी बेहद खूबसूरत ओर प्रसंग के अनूरूप था – शब्द–शब्द कविता ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अक्षरशिल्पी के सम्पादक डॉ. विजय शिरढोणकर ने अपना प्रास्ताविक भाषण देते हुए कहा कि शब्द नाद है, शब्द ब्रह्म है , हर शब्द का एक भाव होता है , प्रभाव होता है, शब्द बोलते हैं, शब्द मौन रह कर भी मुखर होते हैं, शब्दों में शब्द होते हैं , निशब्द फिर भी शब्द होते हैं । आगे उन्होने प्रयाग शुक्ल की पंक्तियाँ ''जो था सोच में वह नहीं रहा पूरा का पूरा शब्द में , पर रहे शब्द ––पता देते उस सोच का'' दोहराते हुए आव्हान किया कि आइये शब्दों के इस महासागर में डूब उतरायें और मिल सके तो कुछ हीरे, माणिक ढूंढ लायें।

कार्यक्रम का आगाज प्रसिद्ध युवा गायक विजय सप्रे द्वारा मराठी की कुछ कालजयी रचनाओं की संगीतमय प्रस्तुति से हुआ जिसे श्रोताओं ने बेहद पसन्द किया। बाद में हिन्दी काव्य पाठ में सर्वश्री दिवाकर वर्मा,मनोज जैन मधुर, जंगबहादुर सक्सेना, कुमार सुरेश, दिनेश प्रभात और राग तेलंग ने अपनी

श्रेष्ठ रचनाओं की प्रस्तुति दी। हिन्दी काव्य पाठ का संचालन कवि दिनेश प्रभात ने किया।

अन्त में दुष्यंत कुमार संग्रहालय के निदेशक राजुरकर राज द्वारा सभी साहित्यकारों को मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुस्तकालय

प्रवेश सम्बन्धी नियम व शर्तें :

- पुस्तकालय का कार्यकाल जुलाई से नवम्बर तक प्रातः 9:00 से 1:00 बजे तक एवं सायं 5:00 से 7:00 बजे तक।
- दिसम्बर से फरवरी तक प्रातः 9:00 से 1:30 बजे तक एवं सायं 4:00 से 6:00 बजे तक।
- मार्च एवं अप्रैल में प्रातः 9:00 से 1:00 बजे सायं 5:00 से 7:00 बजे तक है।
- पुस्तकें निश्चित अवधि के लिए निर्गम की जायेंगी, छात्र/छात्राओं को 5 दिन के लिये तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं को 10 दिन के लिये ।
- कुछ कीमती पुस्तकें और सन्दर्भ पुस्तक और पत्रिकाओं को छोड़कर सभी पाठ्य-सामग्री निर्गम की जायेंगी।
- पुस्तकों को पुनर्निर्गम उसी स्थिति में किया जायेगा, जब किसी अन्य पाठक द्वारा उसकी माँग न की गयी हो, पुस्तकों का आरक्षण भी किया जा सकता है।
- यदि पुस्तके निश्चित अवधि तक लौट कर नहीं आती, तो विलम्ब-शुल्क देना होगा।
- पुस्तकों की चोरी, पुस्तकों के चित्र अथवा पृष्ठ फाड़ने पर, दण्ड के रूप में नयी पुस्तकें देनी होंगी या पुस्तकों की कीमत अदा करना होगी,छात्र/छात्राएँ पुस्तक लेते समय अच्छी तरह से देख ले कि वह कहीं से फटी न हो, बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी।
- कक्षा 9 व 10 के लिये पुस्तकें जमा करने का दिन सोमवार व पुस्तकें निर्गम करने का दिन मंगलवार व बुधवार रहेगा। इसी तरह कक्षा 11 व 12 के लिये पुस्तकें जमा करने का दिन गुरुवार व पुस्तकें निर्गम करने का दिन शुक्रवार एवं शनिवार रहेगा।
- कक्षा 3,4,5 के लिये पुस्तकें जमा करने का दिन सोमवार व निर्गम करने का दिन मंगलवार व बुधवार रहेगा। इसी प्रकार कक्षा 6,7,8 के लिये पुस्तकें जमा करने का दिन गुरुवार व निर्गम करने का दिन शुक्रवार व शनिवार रहेगा।
- छात्र / छात्राओं को पाँच दिन के लिये केवल एक पुस्तक ही दी जाती है। समयावधि में पुस्तक जमा न करने पर एक रुपया प्रतिदिन की दर से आर्थिक दण्ड देना होगा।
- छात्र/छात्राओं से अपेक्षा है कि पुस्तकालय से दी गयी सुविधाओं का सदुपयोग करेंगे एवं शान्तीपूर्ण वातावरण बनाये रखेंगे।

-कु. अफसाना शेख
पुस्तकालय प्रभारी

चिड़िया नेक

पेड़ पर बैठी चिड़िया एक,
सुन्दर, प्यारी, भोली, नेक
मीठे -मीठे फल वो खाती,
मीठे-मीठे गीत वो गाती,
मेहनत करके दाना चुनती,
तिनके -तिनके घर बनाती,
कभी शिकन न कभी थकान,
हरदम करती रहती काम,
देती सीख सबको एक,
मेहनत से मिलती खुशियाँ अनेक।

-कु पूर्वी सैकवार
कक्षा-5

मेरी बिल्ली

मेरी बिल्ली बड़ी शरारती,
घर-घर में घुस जाती है।
घूम-घूम कर, सूँघ- सूँघ कर,
सब कुछ चट कर जाती है।
रखा दूध था गरम खूब था,
आयी आफत भारी,
जीभ जल गयी, सजा मिल गयी चोरी।

- कु. सीमा (कक्षा-2)

कक्षा–12 की मेरिट सूची वर्ष –2009

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	कक्षा में स्थान
कक्षा–12 विज्ञान	सरस सुहाने	श्री मनोज कुमार	श्रीमती कामिनी	456/500	91.2	I
	कु. अंकिता टण्डन	श्री संजीव कुमार	''सुनीता	455/500	91	II
	कु. विशाखा शर्मा	''हरीनारायण शर्मा	''भुवनेश्वरी देवी	439/500	87.8	III
	प्रियंक वर्मा	''मोहनबाबू वर्मा	''लक्ष्मी वर्मा	432/500	86.4	IV
	कु. निधि राजपूत	''देवराज सिंह	''गुणवती बाई	432/500	86.4	IV
	शुभम रघुवंशी	''शम्भू सिंह	''पुष्पा	426/500	85.2	V
	शिवहरी रघुवंशी	''खुमान सिंह	''हीरा बाई	425/500	85	VI

कक्षा–12 की मेरिट सूची वर्ष –2009

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	कक्षा में स्थान
कक्षा–12 वाणिज्य	कु. रक्षा खरे	श्री लक्ष्मीनारायण	श्रीमती सरोज	400/500	80	I
	रवि रघुवंशी 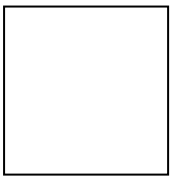	''भगवान सिंह	''पुष्पा देवी	396/500	79.2	II
	कु. मिताली साहू	''भगवान दास	''सविता साहू	377/500	75.4	III
	धर्मेन्द्र रघुवंशी	''तोरणसिंह	''गुड्डी बाई	373/500	74.6	IV
	दिनेश रघुवंशी	''भगवान सिंह	''रमता	372/500	74.4	V
	कु. प्रियंका जैन	''चिमनलाल जैन	''इन्द्रा जैन	370/500	74	VI

कक्षा–10 की मेरिट सूची वर्ष –2009

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	कक्षा में स्थान
कक्षा–10	नीरज दांगी	श्री प्रहलाद सिंह दांगी	श्रीमती लता	530/600	88.33	I
	आशीष शर्मा	श्री दयाशंकर	'' रजनी	527/600	87.83	II
	कु. अदिति तिवारी	'' लखनलाल	'' कल्पना	527/600	87.83	II
	प्रशांत कुमार जैन	''प्रभात कुमार	'' रितु	525/600	87.50	III
	कु. विनीता देवधर	'' विलास	'' वन्दना	523/600	87.16	IV

S.No	State	Capital	No Of Rajya Sabha Seats	No Of Lok Sabha Seat	No Of Legislative Assembly Seats
1	Andhra Pradesh	Hydrabad	18	42	294
2	Arunachal	Itanagar	01	02	60
3	Assam	Dispur	07	14	126
4	Bihar	Patna	16	40	243
5	Chhattisgarh	Raipur	05	11	90
6	Goa	Panaji	01	02	40
7	Gujrat	Gandhinagar	11	26	182
8	Haryana	Chandigarh	05	10	90
9	Himachal Pradesh	Shimla	03	04	68
10	Jammu-Kashmir	Srinagar	04	06	87
11	Jharkhand	Ranchi	06	14	81
12	Karnataka	Bangalore	12	28	224
13	Kerala	Thiruvananthapuram	09	20	140
14	Madhya Pradesh	Bhopal	11	29	230
15	Maharashtra	Mumbai	19	48	228
16	Manipur	Imphal	01	02	60
17	Meghalaya	Shillong	01	02	60
18	Mizoram	Aizawl	01	01	40
19	Nagaland	Kohima	01	01	40
20	Orissa	Bhubaneswar	10	21	147
21	Panjab	Chandigarh	07	13	117
22	Rajasthan	jaipur	10	25	200
23	Sikkim	Gangtok	01	01	32
24	Tamil Ndu	Chennai	18	39	234
25	Tripura	Agartala	01	02	60
26	Uttar Pradesh	Lucknow	31	80	324
27	Uttranchal	Dehradun	03	05	60
28	West Bengal	Kolkata	16	42	294
Union Territories					
1	Delhi	Delhi	03	07	
2	Andaman And Nikobar Island	Port Blair	03	01	
3	Chandigarh	Chandigarh	03	07	
4	Dadar- Nagar haveli	Silvassa	03	01	
5	Daman-Diu	Daman	03	01	
6	Lakshadweep	Kavaratti	03	01	
7	Pondicherry	Pondicherry	01	01	

संकलन – घनश्याम दुबे
पूर्व छात्र

"नवांकुर संगीत विद्यालय"

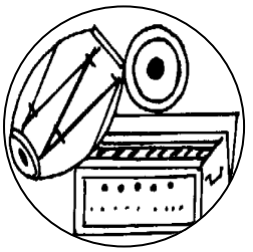

प्रयाग-संगीत-समिति इलाहाबाद से सम्बद्ध

संगीत एवं चित्रकला

अब शास्त्रीय संगीत-शिक्षा सबके लिए

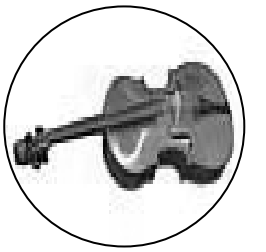

गायन, तबला-वादन, वायलिन-वादन, हारमोनियम-वादन, चित्रकला

कक्षाएँ-

प्रतिदिन सांय ५ से ७ बजे तक

सम्पर्क- नवांकुर मुख्य भवन, बरेठ रोड गंजबासौदा फोन-२२१०६६, २२३३९९

नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस

गंज बासौदा (म.प्र.)

D.C.A.-P.G.D.C.A पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ

- ☞ राज्यस्तरीय संस्था मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल से सम्बद्ध।
- ☞ डी.सी.ए./ पी.जी.डी.सी.ए. एक वर्षीय पाठ्यक्रम।
- ☞ आयुक्त, उद्योग संचालनालय भोपाल द्वारा रोजगार कार्यालय में पंजीयन हेतु मान्य।
- ☞ आयुक्त, सहकारिता मध्यप्रदेश द्वारा सहकारी संस्थाओं में नियोजन हेतु मान्य।

प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यार्थी नवांकुर कार्यालय में प्रातः 9:00 से 1:00 बजे तक संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर प्रवेश ले सकते हैं।

संदर्भ हेतु मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित द्वारा दिनांक 21.06.09 दैनिक भास्कर, भोपाल में प्रकाशित विज्ञप्ति का अवलोकन कर सकते हैं।

सम्पर्क : नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस नवांकुर परिसर, बरेठ रोड़, गंज बासौदा

दूरभाष : 07594- 221066, 223399

Email: nvpbsd_2007@rediffmail.com